रूत

यहूदा मँ अकाल

1 बहुत समइ पहिले जब निआवाधीसन क हुकुमत रही,
तबहि एक बुरा समइ आवा कि भुइँया पइ अकाल पड़ि
गवा। उहइ समइ मँ एलीमेलेक नाउँ क एक मनई यहूदा क
बेतलेहेम क छोड़ दिहस। उ आपन मेहरारू अउ दुइ पूतन
क संग मोआब क भुइँया मँ चला गवा। 2ओकरी मेहरारू
क नाउँ नाओमी रहा अउ ओकरे पूतन क नाउँ महलोन
अउ किल्योन रहेन। इ सबइ लोग यहूदा क बेतलेहेम क
एप्राती परिवार स रहेन। इ परिवार मोआब क पहाड़ी प्रदेस
क जात्रा किहेस अउ हुवँइ बस गवा।
3पाछे नाओमी क भतार एलीमेलेक मर गवा। एह बरे
सिरिफ नाओमी अउ ओकर दुइ पूत बचे रहि गएन। 4ओकर
पूतन मोआब देस क मेहररूअन क संग बियाह किहन।
पहिला पूत क मेहरारू क नाउँ ओर्पा अउ दूसर पूत क
मेहरारू क नाउँ रूत रहा। उ पचे मोआब मँ लगभग दस
बरिस रहेन। 5ओकर पाछे महलोन अउ किल्योन भी मर
गएन। एह बरे नाओमी आपन भतार अउ पूतन क बिना
अकेली हो गइ।

नाओमी अपने घरे जात ह

6जब नाओमी मोआब क पहाड़ी भुइँया मँ रहत रही,
तबहि नाओमी सुनेस कि यहोवा ओकरे लोगन क मदद
किहेस ह। उ अपने लोगन क भोजन प्रदान करत ह। एह
बरे नाओमी मोआब क पहाड़ी भुइँया क तजइ अउर आपन
घर यहूदा मँ लउटइ क निहचइ किहेस। ओकर पतोहुअन
भी ओकरे संग जाइ क निहचइ किहेन। 7उ पचे उ प्रदेस
क तजेन जहाँ उ पचे रहत रहिन अउर यहूदा कइँती लउटब
सुरू किहन।
8तब नाओमी आपन पतोहुअन स कहेस, “तू दुइनउँ क
अपने घर आपन महतारिन क घरे लउट जाइ चाही। तू पचे
मोरे पूतन क बरे बहोतइ दयालु रहिउँ ह। यहोवा तोह
पइ दयालु होइ। 9तउ मइँ पराथना करत हउँ कि यहोवा,
अच्छा भतार अउ नीक घर पावइ मँ तू दुइनउँ क मदद
करइ।” नाओमी आपन पतोहियन क पियार किहेस अउ उ
पचे सबहि रोवइ लागिन।
10तब पतोहियन कहेन, “किन्तु हम आप क संग चलइ
चाहित ह अउर आप क लोगन मँ जाइ चाहिन ह।”
11किन्तु नाओमी कहेस, “नाहीं, बिटियो, अपने घरे लउटि
जा। तू पचे मोरे संग काहे जाबिउ? मइँ तू पचन क मदद
नाहीं कइ सकिन। मोरे लगे अब कउनो पूत नाहीं जउन
तोहार संग बियाह कइ सकइ। 12अपने घरे लउटि जा। मइँ
एतनी बुढ़िया अहउँ कि नवा भतार नाहीं रखि सकिन।
हिआँ तलक कि जदि मइँ फुन बियाह करइ क बात सोचउँ,
तउ भी मइँ तोहार पचन्क मदद नहीं कइ सकित। जदि मइँ
आजु क राति ही गर्भवती होइ जाउँ अउर दुइ पूतन क
पइदा करउँ, तउ भी एहसे तोहार पचन्क मदद नाहीं मिली।
13बियाह करइ स पहिले ओनकर बालिग होइ तलक तू
पचन्क इंतजार करइ पड़ी। मइँ तू पचन्स एँतने लम्बे समइ
तलक बिना भतारे क प्रतीच्छा नाहीं करवाउब। एहसे मोका
बहोत दु:ख होइ। मइँ पहिले स ही बहोत दु:खी हउँ काहेकि
यहोवा मोरे खिलाफ बहोत कछू कइ दिहस ह।”
14एह बरे मेहररूअन बहोत रोइन। तब ओर्पा नाओमी क
चूमेस अउ उ चली गइ। किन्तु रूत ओका बाहन मँ
गहियाइ लिहस अउर ओकरे लगे ठहर गइ।
15नाओमी कहेस, “लखा, तोहार जेठानी आपन लोगन
अउ आपन देवतन मँ लउट गइ। एह बरे तोहका ही उहइ
करइ चाही।”
16किन्तु रूत कहेस, “आपन क तजिके मोका मजबूर
जिन करा। आपन लोगन मँ लउटइ बरे मोका मजबूर जिन
करा। मोका अपने संग चलइ द्या। जहाँ कहूँ तू जाबिउ मइँ
जाब। जहाँ कहूँ तू सोउबिउ, मइँ सोउब। तोहार लोग मोर
लोग होइहीं। तोहार परमेस्सर मोर परमेस्सर होइ। 17जहाँ तू
मरबिउ, मइँ भी हुआइँ मरब अउर मइँ हुवइँ दफनाई जाब।
होइ सकत ह यहोवा हमरे बरे इ करी, अउर होइ सकत ह
एँह स भी जियादा, जब तलक कि मउत हम लोगन क
जुदा न कइ द्या।”

घरे लउटब

18नाओमी लखेस कि रूत क ओकर संग चलइ क
प्रबल इच्छा अहइ। एह बरे नाओमी ओकरे संग बहस करब
बन्द कइ दिहस। 19फुन नाओमी अउर रूत तब तलक जात्रा
किहन जब तलक उ पचे बेतलेहेम नाहीं पहोंच गइन। जब
दुइनउँ मेहररूअन बेतलेहेम पहोंचिन तउ सबहि लोग बहोत
उत्तेजित भएन। उ पचे कहब सुरू किहन, “का इ नाओमी
अहइ?”
20मुला नाओमी लोगन स कहेस, “मोका नाओमी जिन
कहा, मोका मारा कहा। काहेकि सर्वसक्तीमान परमेस्सर मोर
जिन्नगी क बहोत दु:खी बनाई दिहस ह। 21जब मइँ गइ
रहिउँ, मोरे लगे उ सबइ चिजियन रहिन जेनका मइँ चाहत
रहिउँ। किन्तु अब, यहोवा मोका खाली हाथे घरे लियावा ह।
यहोवा मोका दु:खी बनाएस ह। एह बरे मोका नओमी काहे
कहत अहा? सर्वसक्तिमान परमेस्सर मोका बहोत जियादा
कस्ट दिहस ह।”

22इ तरह नाओमी अउ ओकर पतोहू रूत मोआबी
मेहरारू मोआब क भुइँया स लउटि गएन। इ दुइनउँ
मेहररूअन जौ क कटती क समइ यहूदा क बेतलेहेम मँ
आइन।

रूत क बोअज़ स मिलन

2 बेतलेहेम मँ एक ठु धनी मनई रहत रहा। ओकर नाउँ
बोअज़ रहा। बोअज़ एलीमेलेक परिवार स नाओमी क
निअरे रिस्तेदारन मँ स एक रहा।
2एक दिना रूत (मोआबी मेहरारू) नाओमी स कहेस,
“मइँ सोचत हउँ कल्ह मइँ खेतन मँ जाउँ। होइ सकत ह
कि कउनो अइसा मनई मोसे मिलइ जउन मोह पइ दाया
कइके, मोरे बरे उ अन्न क बटोरइ देइ जेका उ आपन खेत
मँ तजत होइ।”
3नाओमी कहेस, “बिटिया, ठीक अहइ जा।” एह बरे रूत
खेतन मँ गइ। उ फसल काटइ वाले मजदूरन क पाछे
चलत रही अउर उ अन्न बटोरेस जउन तज दीन्ह गवा रहा।
अइसा भवा की उ खेते क एक हींसा एलीमेलेक परिवार क
एक मनई बोअज क रहा।
4पाछे, बेतलेहेम स बोअज़ खेत मँ आवा। उ आपन
मजदूरन क हालचाल पूछेस। उ कहेस, “यहोवा तोहरे संग
होइ।” मजदूरन जबाब दिहन, “यहोवा आप क आसीर्बाद
देइ।”
5तब बोअज़ आपन उ सेवक स बातन किहेस, जउन
मजदूरन क निरीच्छक रहा। उ पूछेस, “बिटिया केकर
अहइ?”
6सेवक जबाब दिहस, “इ उहइ मोआबी मेहरारू अहइ
जउन मोआब क पहाड़ी पहँटा स नओमी क संग आई
अहइ। 7उ बहोत भिन्सारे आइ अउ मोहसे उ पूछेस कि का
मइँ मजदूरन क पाछे चल सकत हउँ अउ भुइयाँ पइ छिटके
अन्न क बटोरा सकत हउँ। उ तउ तलक स काम करत
रहत हीं, किन्तु उ तनिक देरी बरे आस्रय स्थान मँ रही।”
8तब बोअज़ रूत स कहेस, “हे मोर बिटिया, सुना! तू
अपने बरे अन्न बटोरइ बरे मोरे खेते मँ रहा। तोहका कउनो
दूसर मनई क खेत मँ जाइ क जरूरत नाहीं अहइ। मोर
मेहररू नउकरन क पाछे चलत रहा। 9इ धियान मँ रखा की
उ पचे कउने खेते मँ जात अहइँ अउर ओनकर अनुसरण
करा। मइँ नउजवानन क चितउनी दइ दिहे अहउँ कि उ पचे
तोहका परेसान न करइँ। जब तोहका पियास लगइ, तउ
उहइ गगरी स पानी पिआ जेहसे मोर मनई पानी पिअत
हीं।”
10तब रूत प्रणाम करइ आने धरती तलक निहुरी। उ
बोअज़ स कहेस, “मोका अचरज अहइ कि आप मोह पइ
धियान दिहेन। मइँ एक अजनबी अहउँ, किन्तु आप मोह पइ
बड़ी दाया किहेन ह।”
11बोअज़ ओका जबाब दिहेस, “मइँ ओन सारी मदद क
जानत हउँ जउन तू आपन सास नाओमी क दिहे ह। मइँ
जानत हउँ कि तू ओकर मदद तब भी किहे रह्या जब
तोहार भतार मर गवा रहा अउर मइँ जानत हउँ कि तू
आपन महतारी-बाप अउ आपन देस तजिके इदेस मँ हिआँ
आइ अहा। तू इ देस क कउनो भी मनई क नाहीं जानतिउ,
फिन भी तू हिआँ नाओमी क संग आइउ। 12यहोवा तोहका
ओन सबहि नीक कामे बरे इनाम देई जउन तू किहा ह।
यहोवा इस्राएल क परमेस्सर तोहका भरपूर इनाम देइ। तू
ओकरे सुरच्छा क ओढ़ना मँ आसरा बरे आइ अहा।”
13तब रूत कहेस, “आप मोह पइ बड़े दयालु अहइँ,
महोदय। मइँ तउ सिरिफ एक दासी अहउँ। मइँ आप क
सेवकन मँ स भी कउनो क बराबर नाहीं अहउँ। किन्तु आप
मोका दाया स भरी बातन किहा ह। अउर मोका सान्त्वना
दिहा ह।”
14दुपहरिया क भोजन क समइ, बोअज़ रूत स कहेस,
“हिआँ आया। हमारी रोटियन मँ स कछू खा। एह कइँती
हमरे सिरकें मँ आपन रोटी बोड़ा।”
तब रूत मजदूरन क संग बठइ गइ। बोअज़ ओनका
कछू भूँजा भवा अनाज दिहन। रूत जेतना चाहत रहा ओतना
खाएस अउर कछू भोजन बचि गवा।
15तब रूत उठी अउर काम करइ लउटी। तब बोअज़
आपन सेवकन स कहेस, “रूत क आन्त क ढेरी क लगे
भी अन्न बटोरइ द्या। ओका जिन रोका। 16ओकरे काम
क, ओकरे बरे कछू दाना स भरी बालन गिराइके, हलका
करा। ओका उ अन्न क बटोरइ द्या। ओका रोकइ बरे
जिन कहा।”

नाओमी बोअज़ क बारे मँ सुनत ह

17रूत साँझ तलक खेत मँ अनाज एकट्ठा किहस। तब
उ भूसा स अन्न क अलग किहस। उ लगभग आधा
बुसल जौ जमा किहेस। 18रूत उ अन्न क आपन सास क
इ देखावइ बरे लइ गइ कि उ केतना अन्न बटोरेस ह। उ
ओका उ भोजन भी दिहस जउन दुपहर क भोजन मँ स बन
गवा रहा। रूत उ अन्न क अपनी सास क देखावइ बरे लइ
गइ कि उ केतना अन्न बटोरेस ह। उ मोका भोजन भी
दिहेस जउन दुपहरिया क भोजन मँ स बच गवा रहा।
19ओकर सास ओहसे पूछेस, “इ अन्न तू कहाँ स
बटोर्‌या ह? तू कहाँ काम किहा? जउन मनई तोहका सूचना
दिहेस आसीर्बाद पाइ।”
तब रूत ओका बताएन कि उ केकरे संग काम किहे
रही। उ कहेस, “जउने मनई क संग मइँ आजु काम किहे
रहेउँ, ओकर नाउँ बोअज़ अहइ।”
नाओमी अपनी पतोहू स कहेस, “यहोवा ओका आसीर्बाद
देइ। यहोवा सबहि पइ निरन्तर दाया करत रहत ह चाहे उ
पचे जिअत होइँ या मरा होउँ।”
20तब नाओमी आपन पतोहू स कहेस, “बोअज़ हमारे
संबन्धियन मँ स एक अहइ। बोअज़ हमार संरच्छक* मँ स
एक अहइ।” 21तब रूत कहेस, “बोअज़ मोका वापस आवइ
अउर काम करइ क भी कहेस ह। बोअज़ कहेस ह कि मइँ

संरच्छक “कस्ट स मुक्ती देइवाला।” उ मनई जउन मृत मनई क सम्बंधियन क देखरेख अउ रच्छा करत ह। इ कबहुँ कबहुँ अपने गरीब सम्बंधी क वापस खरीदके दासता स अजाद (कस्ट क छुटकारा) करावइवाला होत ह।

सेवकन क संग तब तलक काम करत रहउँ जब तलक फसल क कटाई पूरी नाहीं होइ जात।"

22तब नाओमी अपनी पतोहू रूत स कहेस, "इ नीक अहइ कि तू ओकरी दासियन क संग काम करत रहा। जदि तू कउनो दूसर क खेत मँ काम करबिउ तउ कउनो मनई तोहका कउनो नोस्कान पहोंचाइ सकत ह।" 23एह बरे रूत बोअज़ क मेहररू नउकरन क संग काम करत रही। उ तब तलक अन्न बटोरेस जब तलक फसल क कटाई पूरी नाहीं भई। उ हुवाँ गोहूँ क कटनी क आखिर तलक भी काम किहस। रूत आपन सास क संग रहत रही।

खरिहान

3 तब रूत क सास, नाओमी ओहसे कहेस, "हे मोर बिटिया, होइ सकत ह कि मइँ तोहरे बरे एक ठु नीक भतार अउर घर पाइ सकउँ! तउ मइँ तोहार बरे नीक होब। 2बोअज़ उपयुक्त मनई होइ सकतेन? बोअज़ हमार निचके क सम्बन्धी अहइ। तू ओकरी दासियन क संग काम किहा ह। आजु राति उ खरिहाने मँ काम करत रहा होइ। 3जा, नहा अउर नीक ओढ़ना पहिरा। मटकउना द्रव्य लगावा अउर खरिहने मँ जा। किन्तु बोअज़ क समन्वा तब तलक जिन पड़ा जब तलक उ राति क भोजन न कइ लेइ। 4खइया क खाइ क पाछे, उ अराम करइ बरे ओलरी। लखत रहा जेहसे तू इ जान सका कि उ कहाँ सोवत ह। हुवाँ जा अउर ओकरे गोड़े क ओढ़ना उघारा। तब ओलरी जा। उ तोसे कहब्या तोहका का करी चाही।"

5तब रूत जवाब दिहस, "आप जउन करइ क कहति अहा, मइँ करबेउँ।"

6एह बरे रूत खरिहाने मँ गइ। रूत उ सब किहस जउन ओकर सास ओहसे करइ क कहेस। 7खाइ अउर पिअइ क पाछे बोअज़ बहोत संतुट्ठ रहा। बोअज़ अन्न क ढेर क लगे ओलरइ गवा। तब रूत बहोत धीमे स ओकरे लगे गइ अउर उ ओकरे गोड़े क ओढ़न उघार दिहस। रूत ओकरे गोड़े क बगल मँ ओलर गइ।

8करीब आधी रात क बोअज़ नींद मँ आपन करवट बदलेस अउर उ जाग पड़ा। उ बहोत चकित भवा। ओकरे गोड़न क निचके एक ठु मेहरारू ओलरी रही।

9बोअज़ पूछेस, "तू कउन अहा?"

उ कहेस, "मइँ तोहार नउकर लड़की रूत अहउँ। आपन सरच्छा क ओढ़ना मोरे ऊपर फइला द्या। तू मोर रच्छक अहा।"

10तब बोअज़ कहेस, "हे जुवती, यहोवा तोहका आसीर्बाद देइ। तू मोह पइ बिसेस कृपा किहा ह। तोहार इ कृपा मोरे बरे ओहसे भी जियादा अहइ जउन तू सुरूआत मँ नाओमी क बरे देखाए रह्या। तू बियाह बरे कउनो भी धनी या गरीब नउजवान क खोज कइ सकत रहिउँ, मुला तू वइसा नाहीं किहा। 11जुवती, अब डेराअ नाहीं। मइँ उहइ करब जउन तू चाहति अहा। मोरे नगर क सबहि लोग जानत हीं कि तू एक ठु नीक मेहरारू अहा। 12अउर इ फुरि अहइ, कि मइँ तोहरे परिवार क निचके क सम्बंधी अहउँ। मुला एक दूसर मनई अहइ जउन तोहरे परिवार क मोहसे भी जियादा निचके क सम्बन्धी अहइ। 13आजु क राति हिअँइ ठहरा। भिन्सारे हम पता लगाउब कि का उ तोहार मदद करी। जदि उ तोहका मदद देइ क फैसला लेत ह तउ बहोत नीक होइ। जदि उ तोहार मदद करइ स इन्कार करत ह, तउ यहोवा क जिन्नगी क सपथ लेइके मइँ प्रतिज्ञा करत हउँ कि मइँ तोहसे बियाह करब अउर एलीमेलेक क भुइँया क तोहरे बरे बेसाही के लउटाउब। एह बरे भिंसारे तलक हिअँइ सोआ रहा।"

14एह बरे रूत बोअज़ क गोड़े क लगे भिंसारे तलक ओलरी रही। उ अँधियारा रहत ही उठी, एहसे पहिले क एतना प्रकास होइ कि लोग एक दूसरे क पहिचान सकइँ।

बोअज़ ओहसे कहेस, "हम एका कउनो क इ नाहीं बताउब कि तू पिछली रात हिआँ मोर लगे आई रहिउ।" 15तब बोअज़ कहेस, "आपन ओढ़नी मोरे लगे लिआवा। अब, एका फइलाइके राखा।"

एह बरे रूत आपन ओढ़नी क फइलाइके राखेस अउर बोअज़ लगभग एक बुसल जौ ओकरी सास नाओमी क उपहार मँ दिहस। तब बोअज़ ओका रूत क ओढ़नी मँ बाँध दिहस अउर ओका ओकरी पीठ पइ रख दिहस। तब उ नगर क गवा।

16रूत आपन सास, नाओमी क घर गइ। नाओमी दुआरे पइ आई अउर उ पूछेस, "बाहेर कउन अहइ?"

रूत घरे क भीतर गइ अउर उ नाओमी क हर बात जउन बोअज़ किहे रहा, बताएस। 17उ कहेस, "बोअज़ इ जौ उपहार क रूप मँ तोहका दिहेस ह। बोअज़ कहेस कि आप क बरे उपहार लिए बिना मोका घर नाहीं जाइ चाही।"

18नाओमी कहेस, "हे मोर बिटिया, तब तलक धीरा राख जब तलक हम इ सुनी कि का भवा। बोअज़ तब तलक आराम नाहीं करी जब तलक उ ओका नाहीं कइ लेत जे ओका करइ चाही। हम लोगन क दिन बीतइ क पहिले मालूम होइ जाइ कि का होइ।"

बोअज़ तथा दूसर सम्बन्धी

4 बोअज़ उ ठउरे पइ गवा जहाँ नगर दुआरे पइ लोग एकट्ठा होत हीं। बोअज़ तब तलक हुआँ बइठा रहा जब तलक उ संरच्छक हुवाँ स नाहीं गुजरा जेकर जिक्र बोअज़ रूत स किहे रहा। तब बोअज़ ओका बोलाएस, "हिआँ आवा मित्र! हिआँ बइठा।" यह बरे उ हुआँ बइठेस।

2तब बोअज़ हुआँ गवाहन क बटोरेस। बोअज़ नगर क दस बुजुर्गन क बुलाएस। उ कहेस, "हिआँ बइठा!" एह बरे उ पचे हिआँ बइठ गएन।

3तब बोअज़ उ संरच्छक स बातन किहस। उ कहेस, "नाओमी मोआब क धरती स लउट आइ अहइ। उ भुइँया क एक टूका बेचेस ह। जउन हमारे सम्बन्धी एलीमेलेक क रहेन। 4मइँ तय किहेउँ ह कि मइँ इ बिसय मँ हिआँ क बसइया लोगन अउर आपन बुजुर्ग लोगन क समन्वा तोहसे कहउँ। अगर तू इ भुइँया क मुल्य वापिस लइ क चाहत ह तउ एका खरीद ल्या। अगर तू इ भुइँया क वासप नाहीं खरीदइ चाहत ह तउ मोका कहा। मइँ जानत हउँ कि तोहरे पाछे उ मनई मइँ ही हउँ जउन भुइँया क खरीद सकत हउँ।

जदि तू उ भुइँया क नाहीं खरीदब्या, उ मइँ हउँ जउन
ओका खरीदब। तब उ मनई जवाब दिहेस: मइँ इ भुइँया क
खरीदब।"
5तब बोअज़ कहेस, "जदि तू भुइँया नाओमी स बेसहब्या
तउ तोहका मृतक क मेहरारू, मोआबी मेहरारू रूत भी
मिली। जब रूत क बच्चा होइ तउ उ भुइँया उ बच्चे क
होइ। इ तरह भुइँया मृतक क परिवार मँ ही रही।"
6निचके क सम्बन्धी जवाब दिहस, "मइँ भुइँया क वापस
बेसहि नाहीं सकत। जदपि इ भुइँया मोर होइ चाही किन्तु मइँ
एका बेसही नाहीं सकत। जदि मइँ अइसा करत हउँ तउ
मोका आपन सम्पत्ति स हाथ धोऊब पड़ सकत ह। एह बरे
तू उ भुइँया क बेसहि सकत ह।" 7(इस्राएल मँ बहोत समइ
पहिले जब कउनो मनई कउनो सम्पत्ति क बेसहत, छुड़ावत
या सम्पत्ति क बदलि करत रहा, तउ एक मनई आपन जूता
क उतारत रहा अउर दूसर मनई क दइ देत रहा। इ ओनके
बेसहइ क प्रमाण रहा।) 8तउ उ निचके क सम्बन्धी बोअज़
स कहेस, "भुइँया तू आपन बरे बेसही लइ!" तउ उ आपन
एक जूता क उतारेस अउर एका बोअज़ क दइ दिहस।
9तब बोअज़ बुजुर्गन अउ सबहि मनइयन स कहेस,
"आजु आप लोग मोरे गवाह अहउँ कि मइँ नाओमी स उ
सबइ सबहि चिजियन खरीदत हउँ जउन एलीमेलेक, किल्योन
अउ महलोन क अहइँ। 10मइँ रूत क भी आपन मेहरारू
बनावइ बरे बेसहत हउँ। मइँ इ एह बरे करत अहउँ कि
मृतक क सम्पत्ति ओकरे परिवार क लगे ही रही। इ तरह
मृतक क नाउँ ओकरे परिवार अउ ओकरी भुइँया स नाहीं
हटावा जाई। आप लोग आजु एकर गवाह अहइँ।"
11इ तरह सबहि लोग अउर बुजुर्गन जउन नगर दुआर
क समीप रहेन, गवाह भएन। उ पचे कहेन:

"इ मेहरारू जउन तोहरे घर जाई, यहोवा ओका राहेल
अउ लिआ जइसी करइ जउन इस्राएल बंस क बनाएस। हम
पराथना करित ह तू एप्राता मँ सक्तीसाली ह्वा! तू बेतलेहेम
मँ प्रसिद्ध ह्वा। 12जइसे तामार यहूदा क पूत पेरेस क जनम
दिहेस अउर ओकर परिवार महान बना। उहइ तरह यहोवा
तोहका भी रूत स कई पूत देइ। अउर तोहार परिवार भी
ओकरी तरह महान होइ।"
13इ तरह बोअज़ रूत स बियाह किहेस। यहोवा रूत क
गर्भवती होइ दिहस अउर रूत एक ठु पूत क जन्म दिहस।
14नगर क मेहररूअन नाओमी स कहेन:
"उ यहोवा क आभार माना जउन तोहका अइसा
संरच्छक दिहस। यहोवा करइ उ, इस्राएल मँ प्रसिद्ध होइ।
15उ तोहका फुन स जवान बनाइ देइ। अउर बुढ़ापे मँ उ
तोहार धियान राखी। तोहरी बहू क कारण इ घटना घटी
अहइ। उ इ बच्चा तोहरे बरे गर्भ मँ धारण किहेस उ तोहसे
पिआर करत ह, अउर उ तोहरे बरे सात बेटन स जियादा
उत्तिम अहइ।"
16नाओमी लरिका क लिहस, ओका आपन बाहन मँ
उठाइ लिहस, अउर ओकर पालन-पोसण किहस। 17पड़ोसियन
बच्चा क नाउँ राखेन। ओन मेहररूअन कहेन, "अब नाओमी
क लगे एक पूत अहइ।" पड़ोसियन ओकर नाउँ ओबेद
राखेन। ओबेद यिसै क बाप रहा अउर यिसै, दाऊद क बाप
रहा।

रूत अउ बोअज़ क परिवार

18पेरेस क परिवार क बंसावली इ अहइ:
पेरेस हिस्रोन क बाप रहा।
19राम क बाप हिस्रोन रहा।
अम्मीनादाब क बाप राम रहा।
20नहसोन क बाप अम्मीनादाब रहा।
सल्मोन क बाप नहसोन रहा।
21बोअज़ क बाप सल्मोन रहा।
ओबेद क बाप बोअज़ रहा।
22यिसै क बाप ओबेद रहा।
दाऊद क बाप यिसै रहा।